बिहार सरकार
उद्योग विभाग
उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पटना

कोटेशन आमंत्रण की सूचना

बिहार सरकार, उद्योग विभाग, उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पटना के द्वारा **15 अगस्त, 2022** (स्वतंत्रता दिवस) के अवसर पर गॉधी मैदान, पटना में ट्रॉली युक्त ट्रक पर **"बिहार में औद्योगिक प्रोत्साहन एवं निवेश"** विषय वस्तु पर आधारित झाँकी निर्माण, उसकी मधुबनी पेंटिंग, टिकुली पेंटिंग, मंजूषा कला तथा फूल–माला इत्यादि से सजावट और कलाकारों द्वारा नृत्य, संगीत प्रस्तुति तथा जीवंत प्रदर्शन करने हेतु प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों से दिनांक **05.08.2022** को **2.00** बजे अपराह्न तक उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पाटलिपुत्रा, पटना के कार्यालय में कोटेशन प्राप्त की जायेगी, जिसे उसी दिन **3.30** बजे अप0 में सभी कोटेशनदाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पाटलिपुत्रा, पटना के कार्यालय कक्ष में खोली जाएगी।

कोटेशन की शर्त्तें:–

1.	सरकारी आयोजन करने का दो वर्षों का कार्य अनुभव होना चाहिए। (प्रमाण–पत्र की छायाप्रति संलग्न करना होगा)
2.	GST/पैन कार्ड तथा अद्यतन आयकर (वर्ष 2021–22) का भुगतान प्रमाण–पत्र की छायाप्रति संलग्न करना होगा।
3.	**"बिहार में औद्योगिक प्रोत्साहन एवं निवेश"** शीर्षक विषय वस्तु पर निर्मित की जाने वाली झाँकी का डिजाइन **(Tableau)** संलग्न करना होगा। झाँकी में संशोधन करने का अधिकार उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पटना को होगा।
4.	सांस्कृतिक दल में 16 सदस्य रहेंगे। झाँकी मंच के लिए अन्य कलाकारों की व्यवस्था सफल कोटेशनदाता को करना होगा। सजावट पूर्ण रूप से मधुबनी पेंटिंग, टिकुली पेंटिंग, मंजूषा कला तथा फूल–माला से किया जाना है।
5.	किसी भी कोटेशन को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार संस्थान की क्रय समिति को सुरक्षित रहेगा।
6.	विस्तृत/विशेष जानकारी के लिए उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पाटलिपुत्र, पटना के कार्यालय अथवा दूरभाष सं0–**0612–2262482** पर सम्पर्क किया जा सकता है।
7.	झाँकी निर्माण, सजावट और नृत्य, संगीत प्रस्तुति, जीवंत प्रदर्शन के साथ अंत में कुल दर (GST सहित) अंकित करना होगा।

निदेशक,
उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान,
पटना।

ज्ञापांक 999 / पटना, दिनांक 29-7-2022

प्रतिलिपि– उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पटना (सूचना पट पर चिपकाने हेतु)।

29.07.22
निदेशक
उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान,
पटना।

kotasan -157